संगीत सोसायटी

इस वर्ष के मार्च माह में संगीत सोसायटी के वार्षिक कार्यक्रम स्प्रिंग का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सभी सोसायटी के सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। तीन घंटे तक चले इस कार्यक्रम में संस्थान छात्रों ने दर्शकों के समक्ष सहफ्ट एवं रहक हिट्स म्युजिक पर अपने हुनर का प्रदर्शन कर सभी दर्शकों को अवाक कर दिया। कार्यक्रम में संस्थान के चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने भी भाग लिया। यह कार्यक्रम चतुर्थ वर्ष के छात्रों का संस्थान प्रांगण में अंतिम प्रदर्शन था और उनका यह प्रदर्शन उन्हें जीवन पर्यंत संस्थान के प्रांगण में व्यतीत किए दिनों को स्मरण कराता रहेगा। कार्यक्रम में दर्शकों ने शास्त्रीय संगीत एवं वाद्य संगीत की अधिक सरहाना की। सोसायटी के सदस्यों के अतिरिक्त उपस्थित छात्रों ने कार्यक्रम का लुफ्त उठाया।

नाट्य कला सोसायटी

नाट्य कला सोसायटी द्वारा 09 अप्रैल 2014 को " मानव तस्करी पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया था और इसी विषय पर महिला शिकायत निवारण समिति द्वारा "इंस्पायरिंग चेंज इन वो(मेन)" पर आयोजित कार्यशाला में मंचीय नाटक प्रस्तुत किया गया। दोनों ही नाटकों ने समाज में बहुत ही गहरा संदेश प्रतिपादित कियाजिनकी हम आमतौर पर सामाजिक परिचर्चाओं के दौरान अवज्ञा कर देते हैं। इस मंचीय नाटक ने दर्शकों के दिल में गहरा प्रभाव डाला और मानव तस्करी के शिकार हुए पीड़ितों की पीड़ा को समझने के लिए मबजूर कर दिया।

स्वतंत्रता दिवस

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 अगस्त 2014 को संस्थान के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस का अनुपालन हर्षोल्लास के साथ किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय गीत के साथ हुई। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. मधुसूदन चक्रवर्ती ने उपस्थित सभी संस्थान सदस्यों को एक प्रेरक संदेश दिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर में स्वतंत्रता दिवस के अनुपालन की परंपरा संस्थान छात्रों की विभिन्न सोसायटी जैसे गीत सोसायटी, नृत्य सोसायटी, साहित्य सोसायटी एवं नाट्य कला सोसायटी द्वारा देश-भक्ति से ओत-प्रोत कलाओं के प्रदर्शन की रही है। इस समारोह में छात्रों की गीत सोसायटी ने देश भक्ति से ओत-प्रोत गीत का प्रदर्शन कर पूरे प्रेक्षागृह में देश प्रेम की भावना पल्लवित कर समा बांधे रखा। नृत्य सोसायटी ने भारतीय संस्कृति की विविधता को दर्शाते हुए एक मनभावन प्रदर्शन प्रस्तुत किया। साहित्य सोसायटी द्वारा भारतीय इतिहास एवं संस्कृति पर एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नाट्य कला सोसायटी ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर वर्तमान में भारत की आजादी पर एक बड़ा प्रश्न चिह्न लगाया।

PUBLISHED BY:
Institute Publication Committee, IIT Bhubaneswar
Email: news@iitbbs.ac.in

विषय वस्तु

शैक्षणिक क्रियाकलाप 2
संकाय सदस्य क्रियाकलाप 4
जिमखाना / छात्र क्रियाकलाप 7

रिदिम

The Newsletter

भाग. 13 | अंक: अप्रैल 2014 – अक्तूबर 2014

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की कलम से

हम सर्वप्रथम प्रो. मधुसूदन चक्रवर्ती द्वारा दिए गए विशेष योगदान के लिए अभिवादन करते है जिनके मार्गदर्शन में संस्थान ने नित दिन नई-नई बुलिंदियों को प्राप्त किया है और विश्व में अपनी पहचान बनाई है। प्रो. चक्रवर्ती का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के निदेशक के पद से 18 अगस्त 2014 को कार्यकाल पूर्ण हो गया। उन्होंने इस नवोदित संस्थान के संस्थापक निदेशक के रूप में वर्ष 2009 से भुवनेश्वर शहर से अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। प्रो. चक्रवर्ती ने स्थापना के समय से ही संस्थान को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के साथ-साथ नए उद्यमों तथा आयामों को प्राप्त करने के लिए हमें अभिप्रेरित किया।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के सभी सदस्यों की ओर से हम भविष्य में उनके भावी प्रयासों तथा शांतिपूर्ण एवं सुखद जीवन की कल्पना करते है।

प्रो.चक्रवर्ती के स्थान पर संस्थान के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के प्राध्यापक प्रो. सुजीत रहय ने संस्थान निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

हम सभी नवागंतुक छात्रों, संकाय सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों का भी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर परिवार में स्वागत करते है और उन सभी सदस्यों को बधाई देते हैजिन्होंने अपने निरंतर प्रयासों एवं उद्यमों से देश अथवा विदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

डब्ल्यूजीआरसी द्वारा "इंस्पायरिंग चेंज इन (वो) मेन पर कार्यशाला आयोजित"

शलिंग भेद की उत्पत्ति उस मानसिकता के साथ होती है जब माँ एवं परिवार के सदस्यों का व्यवहार बेटे और बेटी के प्रति भेदभाव पूर्ण होता हैश

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की महिला शिकायत निवारण समिति (डब्ल्यूजीआरसी) द्वारा 11 अप्रैल 2014 कोश्इंस्पायरिंग चेंज इन (वो) मेन" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री सत्यजीत मोहांती, आईपीएस, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, ओडिशा राज्य पुलिस आवासन एवं कल्याण निगम, श्रीमती सुजाता जेना, अधिवक्ता उच्च न्यायालय, श्रीमती एन. राजश्री कानुनगो, सलाहकार, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि, ओडिशा राज्य कार्यालय, डह. लोपमुद्रा त्रिपाठी, संचार विकास अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष एवं डह. अमृता पटेल, सलाहकार, महिला राज्य संसाधन केंद्र विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के तत्कालीन निदेशक प्रो.मधुसूदन चक्रवर्ती के कर कमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम सत्र का प्रारंभ "पावर डायनामिक्स ऐट होम एंड इन द वर्क प्लेस" पैनल चर्चा से हुआ जिसकी मध्यस्थता डह. पटेल ने की। डह. लोपमुद्रा त्रिपाठी ने "पावर डायनामिक्स एट होम" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं श्री सत्यजीत मोहांती ने महिलाओं पर बढ़ते अपराधों को रोकने में युवाओं की भूमिका पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने व्याख्यान में अपराध किस प्रकार समाज को धूमिल कर रहा है तथा किस प्रकार नागरिक होने के नाते हमें सचेत होने की आवश्यकता है विषय पर प्रस्तुति प्रस्तुत की। श्रीमती सुजाता जेना ने महिलओं के विरुद्ध अपराधों के विधि पहलुओं पर प्रकाश डाला और उपस्थित छात्रों को इस प्रकार के अपराधों से लड़ने के लिए विभिन्न कानूनों से संबंधित जानकारी सांझा की।

इसके साथ ही कार्यक्रम में विचार मंच का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञों ने अपने-अपने अनुभवों से उपस्थित श्रोताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। विचार मंच कार्यक्रम का समापन डब्ल्यूजीआरसी की अध्यक्षा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस दौरान " नो कंट्री फहर यंग गर्ल्स" नामक एक डोक्युमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई तथा श्रीमती एन.राजश्री कानुनगो ने इसी विषयपर उपस्थित श्रोताओं से संवादमूलक चर्चा की। इसी दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है जिसमें संस्थान की शोध छात्रा ने माँ दुर्गा का रूप धारण कर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके साथ ही संस्थान की छात्र नाट्य कला सोसायटी ने मानव तस्करी पर विषयगत नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन अल्पहार के साथ हुआ और कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र वितरित किया गया। यह कार्यक्रम अपने उद्देश्य में सफल रहा।

सड़क पुलों के अभिकल्प पर अल्पावधि पाठ्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के आधारिक संरचना विद्यापीठ द्वारा दिनांक 09 & 11 मई 2014 के दौरान सड़क पुलों के अभिकल्प पर अल्पावधि पाठ्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। डह. सुरेश आर.दाश एवं डह. उमेश चंद्र साहू इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। इस कार्यशाला में संपूर्ण भारत के पुल विश्लेषण, अभिकल्प एवं निर्माण से संबंधित 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य रूप से ओडिशा राज्य सरकार के आरडी एवं पीडब्ल्यूडी अभियंताओं, स्वतंत्र अभियंताओं, प्राध्यापकों एवं छात्रओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं पेशेवर अभियंता डह.वी.के. रैना द्वारा किया गया। डह. रैना ने "ए ब्रिफ जर्नी अहफ ब्रिजेस एंड देअर फ्यूचरिस्टिक आर्किटेक्चर" विषय पर बहुत ही आकर्षक एवं मनमोहक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

आधारिक संरचना विद्यापीठ, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर वर्ष 2012 से पीएमजीएसवाई कार्यक्रम में राज्य तकनीकी एजेंसी (एसटीए) ओडिशा एवं झारखंड तथा मुख्य तकनीकी एजेंसी (पीटीए) ओडिशा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के माध्यम से तकनीकी सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर भारी मात्रा में पुलों के अभिकल्प रिपोर्टों की भी जाँच करता है। इस अल्पावधि कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुल अभिकल्प के तकनीकी एवं व्यवहारिक समस्याओं के साथ भूकंप विश्लेषण एवं अभिकल्प था। कार्यशाला में इस क्षेत्र से जुड़े शैक्षणिकविदों एवं कार्यपालकों ने विषय विशेषज्ञों के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संस्थान दिवस समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर का सातवाँ संस्थान दिवस समारोह 22 जुलाई 2014 को आयोजित किया गया। प्रो.वी.एस.राजू, पूर्व निदेशक, भा.प्रौ.सं. दिल्ली एवं प्राध्यापक भा.प्रौ.सं. मद्रास समारोह के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के तत्कालिन निदेशक प्रो. मधुसूदन चक्रवर्ती ने संस्थान के इतिहास का वर्णन देते हुए आगामी चुनौतियों के साथ-साथ उसके समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इसके अतिरिक्त स्पीक मकै के माध्यम से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कोर्णाक नत्य मंडप के समूह ने ओडिशा राज्य के सुप्रसिद्ध "गोटिपुआ नृत्य"प्रस्तुत किया गया। नर्तकों ने अपने प्रदर्शन से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

परामर्श सेवा टीम (सीएसटी) द्वारा अभिमुखी कार्यक्रम

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की परामर्श सेवा टीम ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए नवागंतुक छात्रों का संस्थान में स्वागत किया और छात्रों को भा.प्रौ.सं. की जीवन शैली के अनुकूल बनाने हेतु हर प्रकार से सहायता प्रदान की।

इस वर्ष परामर्श सेवा टीम की अध्यक्षता डह. अस्मिता शुक्ला द्वारा कीगई। इस कार्य को सुचारु रूप से करने के लिए सुश्री विनिता पटनायक, छात्र परामर्श, तनवीर अहमद, अवरस्नातक सीएसटी के छात्रसमन्वयक तथा प्रवीण कुमार, स्नातकोत्तर परामर्श सेवा टीम के छात्र समन्वयक थे।

संस्थान में पधारे सभी नवागंतुक छात्रों को एक-एक छात्र परामर्शदाता प्रदान किया गया जो उनकी सभी समस्याओं का समाधान कर सकें। छात्र सलाहकार नवागंतुक छात्रों को उनके पंजीकरण के समय से सहायता प्रदान करते है। इस वर्ष पंजीकरण कार्यक्रम स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 23 एवं 24 जुलाई को तथा अवर स्नातक छात्रों के लिए 25 जुलाई को किया गया था। पंजीकरण के उपरांत, नवागंतुक छात्रों के लिए एक अभिमुखी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें सुविधाएं, सेवाएं, संस्थान के नियम एवं विनियम की जानकारी प्रदान की गई जिससे वे संस्थान की परिधि से रुबरु हो सके। 01 अगस्त 2014 को स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें संस्थान निदेशक, विद्यापीठाध्यक्षों एवं संकाय सदस्यों ने सक्रिय पूर्व भाग लिया और अपने-अपने अनुभवोंधविचारों से उपस्थित छात्रों का मार्गदर्शन किया। दिनांक 03 जुलाई 2014 को अवरस्नातक छात्रों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके ठीक बाद "ट्रेजर हंट" नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परामर्श सेवा टीम द्वारा एफजीटी (फाचस गहट टेलेंट) का भी आयोजन किया जाता है जिसमें नवागंतुक छात्र अपनी हिचकिचाहट को दूर कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के परिवार सदस्यों के समक्ष अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त अपनी अनोखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

संकाय गतिविधि

अप्रैल-अगस्त 2014 के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त प्रायोजित परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना शीर्ष	वित्तपोषित एजेंसी	पीआइ	स्वीकृत तिथि
1.	एडवांस महडलिंग अहफ ट्रहपिकल लैंड-एटमासफियर-ओसेन सिस्टम फहर सिमुलेशन अहफ एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स	आईयूएसएसटीएफ	प्रो.यू.सी. मोहांती	10.05.2014
2.	स्टडी अहन द डेवलेप्मेंट अहफ अल्ट्रा-सेंसिटिव अहप्टिकल फाइबर एक्सेलोमिटर बेस्ड अहन फाइबर ब्रैग ग्रेटिंग (एफबीजी) रिटेन ट्रेपर्ड थिन-कोर फाइबर	आरसीआई (डीआरडीओ)	डॉ. राजन झा	07.05.2014
3.	कैमिकल एंड बायोसेंसर्स बेस्डहन टू डाइमैंशनल लेअर्ड स्ट्रक्चर्स एंड देअर ग्राफेम बेस्ड हाइब्रिड्स	यूजीसी -येकेआईईआरआइ	डॉ. चंद्र शेखर राउत	27.06.2014
4.	अंडरस्टैंडिंग एंड कैरेक्टराइजेशन अहफ सिस्टैमेटिक एरर्स इन द डब्ल्यूआरएफ-एआरडल्ब्यू बाउंड्री लेअर पैरामिटिराइजेशन ओवर द भुवनेश्वर एंड इट्स नाइबरहुड रिजन्स	इसरो	डॉ. संदीप पट्टनायक	07.08.2014
5.	सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड डेवलेप्मेंट अहफ रेड मड-फ्लाइ एश बेस्ड जियोपहलिमर कंक्रीट	नालको	डॉ. बी. हनुमंत राव	07.07.2014
6.	ग्रीन प्रोडक्शन अहफ हाइड्रोजन स्टोरेज मैटिरियल फ्रहम ग्रेड लिमेनाइट	डीएसटी	डॉ. सुभांकर पति	03.07.2014
7.	इन्वेस्टिगेशन अहन स्ट्रेंथ एंड वोल्यूम चेंज प्रोपर्टिज अहफ रेड मड फहर इट्स इफेक्टिव यूटिलाइजेशन इन जियोटेक्निकल एप्लिकेशंस	डीएसटी	डॉ. बी. हनुमंत राव	15.07.2014
8.	फ्लेक्सिबल एंड फ्री स्टैंडिंग वैनाडियम सल्फाइड्सध नैनो कार्बन (ग्राफेन, रिड्युस्ड ग्राफेन अहक्साइड, नैनोट्यूब्स) पेअर फहर हाइ परफार्मेंस सुपरकैपासिटर इलेक्ट्रोड्स	डीएसटी इंडो-ब्राजिल	डॉ. चंद्र शेखर राउत	14.08.2014
9.	डज ट्रहपिकल साइक्लोन हीट पोटेनशियल (टीसीएचपी) प्लै ए सिगनिफिकेंट रोल इन इनटेंसिफिकेशन अहफ ट्रहपिकल साइक्लोन्स? ए कम्प्रिहेंसिव एनालाइसिस फहर द नार्थ इंडियन ओसेन	आईएनसीओआईएस	डॉ. देबदत्त स्वाईं	21.08.2014

व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला -

डह. अस्मिता शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं प्रबंध विद्यापीठ द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए "व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला - स्वयं के भीतर अनोखे भाग का प्रयोग - स्वयं"नामक विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पुरस्कार

प्रो. गणपति पंडा बीजू पटनायक पुरस्कार से सम्मानित

प्रो. गणपति पंडा, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ को वर्ष 2012 के वैज्ञानिक उत्कृष्ठता के लिए "बीजू पटनायक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। दिनांक 05 अगस्त 2014 को ओडिशा विज्ञान अकादमी द्वारा जयदेव भवन, भुवनेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने डह. पंडा को इस पुरस्कार से सम्मानित किया।

डॉ. एस.आर.सामंतराय "एक्सेलेंस इन रिव्यूइंग पुरस्कार-2013" से सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिका एल्जिवर ने डह.एस.आर.सामंतराय, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ को जरनल की गुणवत्ता हेतु उत्कृष्ठ योगदान देने के लिएवर्ष 2013 के "एक्सेलेंस इन रिव्यूइंग" पुरस्कार से सम्मानित किया।

नव नियुक्त संकाय सदस्य

डॉ. तबरेज खान ने दिनांक 07 अप्रैल 2014 से आधारीय विज्ञान विद्यापीठ में सहायक प्राध्यापक के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके अनुसंधान क्षेत्र हैं- नोवल सिंथेटिक मैथेडोलह्जी, टार्गेट एंड डाइवर्सिटी ओरिएंटेड सिंथेसिस अहफ बायोएक्टिव एंड ऐसिथेटिकली प्लिजिंग नैचुरल प्रोडक्ट्स, सुपरामहलिक्यूलर कैमेस्ट्री

डॉ. के.श्रीनिवास रामानुजम ने दिनांक 16जून 2014 को यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ में सहायक प्राध्यापक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। उनके अनुसंधान क्षेत्र हैं - रेडिएशन हीट ट्रांसफर, माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग, नहन लाइनर अहप्टिमाइजेशन

नव नियुक्त संकाय सदस्य

डॉ. श्रीनिवास भाष्कर करंकी ने दिनांक 30 जून 2014 को विद्युत विज्ञान विद्यापीठ में सहायक प्राध्यापक के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके अनुसंधान क्षेत्र हैं-पावर क्वालिटी, एनर्जी स्टोरेज, डीसी-डीसी कंवर्टर्स फहर रिनिएवल एनर्जी सोर्सेस, एंड पावर इलेक्ट्रहनिक्स एप्लिकेशंस इन पावर सिस्टम्स।

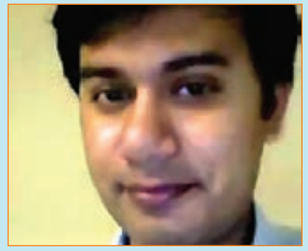

डॉ. कौशिक सामंत ने दिनांक 01 अगस्त 2014 को आधारीय विज्ञान विद्यापीठ में सहायक प्राध्यापक के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके अनुसंधान क्षेत्र हैं - थियोरेटिकल एंड कंप्यूटेशनल कैमेस्ट्री।

जिमखाना गतिविधि

नृत्य सोसायटी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की नृत्य सोसायटी ने मार्च माह में आयोजित वार्षिक डांस प्रोडक्शन में फिर से अपने शानदार प्रदर्शन से संस्थान छात्रों की कलाप्रियता को दर्शाया है। कार्यक्रम की शुरुआत लेटर्स अहफ डांस, वेआऊट रुटिन, बी-बोइंग ड्रांस शैली के उत्कृष्ठ रूप से हुई। संस्थान के प्रथम वर्षीय छात्रों का बहलीवुड एवं वेस्टर्न मिक्स प्रदर्शन बुहत ही आनंददायक रहा। संपूर्ण कार्यक्रम का सबसे लोकप्रिय प्रदर्शन "रक्तचरित्रा" रहा जो महिलाओं पर बढ़ रही हिंसा पर चित्रित किया गया। नृत्य के दौरान लाल बत्तियाँ, पोशाक, नृतकों के भाव एवं प्रदर्शन की ऊर्जा इस नृत्य को और अधिक प्रभावी बना रही थी। संस्थान के तृतीय वर्ष के छात्रों ने कंटेम्परेरी स्टाइल के साथ बहलीवुड के मिश्रण से निर्देशित नृत्य का प्रदर्शन कर सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चतुर्थ वर्ष के छात्रों का प्रदर्शन अनोखा एवं माभावन था। संस्थान की छात्राओं ने अपने प्रदर्शन एवं आकर्षक पोशाकों से कार्यक्रम में चार-चाँद लगा दिए। कार्यक्रम का संपूर्ण प्रदर्शन सभी दर्शकों के लिए प्रेरणादायक था।

ललित कला

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की ललित कला सोसायटी 'कलाकृति' ने वर्ष 2013 &14 के सांस्कृतिक सप्ताह के दौरान बहुत ही सुंदर प्रदर्शन किया। सौंदर्य रहित एवं सृजनात्मक चित्रों को दर्शकों के समक्ष प्रदर्शित किया। डोडल कार्यक्रम बहुत ही आमोद जनक रहा। विभिन्न छात्र कलाकारों ने दो मिनट के भीतर बाल मजदूरी जैसे विषयों पर बहुत ही आकर्षक एवं मनभावन डोडल चित्रित किए। चित्रकारी कार्यक्रम में सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों ने भाग लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।